पूर्वाग्रह- (Prejudice)

पूर्वाग्रह या पूर्वधारणा अंग्रेजी शब्द 'Prejudice' का हिंदी रूपान्तर है। यह लैटिन शब्द — Prejudicium से बना है।

Pre अर्थ पहले तथा judicium अर्थ judgement (निर्णय)

अर्थात् Prejudice का शाब्दिक अर्थ के अनुसार पूर्वाग्रह से तात्पर्य किसी वस्तु, व्यक्ति तथ्य या घटना के प्रति पूर्व निर्णय से होता है।

कुछ समाज मनोवैज्ञानिकों के अनुसार पूर्वाग्रह एक तरह का पूर्वकल्पित विकसित निर्णय है, कुछ समाज मनोवैज्ञानिकों ने इसे किसी व्यक्ति, जाति एवं समूह के प्रति दिखलायी जाने वाली नापसंदगी एवं घृणा कहा है तथा कुछ ने इसे उपयुक्त व्यवहार के संबंध में किया जाने वाला आवश्यकतानुसार प्रत्यक्षण का एक संग्रह माना है। स्पष्ट है कि पूर्वाग्रह के अर्थ को लेकर समाज मनोवैज्ञानिकों के बीच एकमत नहीं है।

Secord तथा Backman (1974) के अनुसार— "पूर्वाग्रह एक मनोवृत्ति है, जो व्यक्ति को किसी समूह या उसके सदस्यों के प्रति अनुकूल या प्रतिकूल ढंग से सोचने, प्रत्यक्षण करने, अनुभव करने तथा क्रिया करने के लिए पहले से ही तैयार बना देता है।"

Feldman (1985) के अनुसार — "किसी समूह के सदस्यों के प्रति ऐसी नकारात्मक निर्णय या मूल्यांकन को पूर्वाग्रह कहा जाता है, जो मुख्यतः उस समूह की सदस्यता पर आधारित होता है, न कि सदस्यों के विशेष गुणों पर।"

Baron तथा Byrne (1977) के अनुसार — "समाज मनोविज्ञान में पूर्वाग्रह को सामान्यतः किसी प्रजातीय, धार्मिक या मानवजातीय समूह के सदस्यों के प्रति एक नकारात्मक मनोवृत्ति के रूप में परिभाषित किया जाता है।"

Scanned with CamScanner

Myers (1987) के अनुसार — "पूर्वाग्रह किसी समूह एवं उसके सदस्यों के प्रति एक अनुचित नकारात्मक मनोवृत्ति को कहा जाता है।"

उपर्युक्त परिभाषाओं से स्पष्ट है कि समाज मनोवैज्ञानिकों ने पूर्वाग्रह को एक मनोवृत्ति माना है। परंतु कुछ ने इसे सकारात्मक तथा कुछ ने इसे नकारात्मक मनोवृत्ति माना है। नकारात्मक मनोवृत्ति के रूप में पूर्वाग्रह से ग्रसित व्यक्ति दूसरे समूह के सदस्यों के प्रति घृणा दिखलाता है तथा विवेकहीन विचारों को व्यक्त करता है। जबकि सकारात्मक मनोवृत्ति के रूप में पूर्वाग्रह से ग्रसित व्यक्ति दूसरे समूह के सदस्यों के प्रति अधिक स्नेह, एवं प्यार दिखलाता है तथा परिस्थिति विपरीत होने पर भी विवेकपूर्ण विचारों को ही व्यक्त करता है।

पूर्वाग्रह चूँकि एक मनोवृत्ति है। अतः इसमें मनोवृत्ति के तीनों संघटक अर्थात् संज्ञानात्मक संघटक, भावात्मक संघटक तथा व्यवहारात्मक संघटक मौजूद रहते हैं। पूर्वाग्रह की स्थिति में संज्ञानात्मक संघटन से तात्पर्य किसी वस्तु या व्यक्ति के प्रति उन विचारों एवं विश्वासों से होता है, जो रूढ़ियुक्त तथा अनुचित होते हैं। जैसे उच्च जातियों का निम्न जातियों के प्रति विचार। पूर्वाग्रह के इस विवेकहीन पक्ष की अभिव्यक्ति प्रायः रूढ़िवृत्तियों (stereotypes) के रूप में व्यक्त होती है।

पूर्वाग्रह के भावात्मक संघटन में दूसरे समूह के सदस्यों का नकारात्मक मूल्यांकन किया जाता है, जिसमें प्रायः घृणा, डर एवं विद्वेष का भाव होता है।

जबकि पूर्वाग्रह के व्यवहारात्मक संघटन में व्यक्ति दूसरे समूह के सदस्यों के प्रति खुलकर विरोध, अलगाव तथा अन्य दूसरे तरह के अप्रिय व्यवहार करता है। इस तरह से पूर्वाग्रह का प्रभाव व्यक्ति के चिंतन, प्रत्यक्षण, भाव एवं व्यवहार पर सामान्य रूप से पड़ता है।

Scanned with CamScanner

पूर्वाग्रह की विशेषता

समाज मनोवैज्ञानिकों द्वारा पूर्वाग्रह की दी गयी परिभाषाओं से कुछ सामान्य तथ्य मिलते हैं, जिनके आधार पर हमें पूर्वाग्रह की निम्नांकित विशेषताओं का पता चलता है —

→ पूर्वाग्रह अर्जित होता है — पूर्वाग्रह एक तरह की मनोवृत्ति है और जन्म के समय बच्चे में किसी समूह, धर्म, जाति आदि के प्रति किसी प्रकार की कोई पूर्वाग्रह नहीं होती है। वह इसे अपने परिवार, समाज, आदि से सीखता है। अतः यह एक अर्जित प्रक्रिया है।

→ पूर्वाग्रह विवेकहीन होता है — व्यक्ति ~~के पूर्वाग्रह~~ को अनेक प्रकार के विरोधी तथ्य एवं सूचनाओं के बारे में जानकारी देने के बाद भी उसके पूर्वाग्रह को बदलना आसान नहीं होता है। वह अपनी पूर्वाग्रह के प्रति अडिग रहता है तथा विवेकहीन ढंग से विचार करता है।

→ पूर्वाग्रह में संवेगात्मक रंग होता है — व्यक्ति का पूर्वाग्रह किसी समूह, जाति, धर्म आदि के प्रति अनुकूल या प्रतिकूल होता है। यदि पूर्वाग्रह अनुकूल होते हैं तो वह उस समूह, जाति, धर्म आदि के प्रति प्रेम, स्नेह आदि प्रदर्शित करता है, परन्तु प्रतिकूल पूर्वाग्रह होने पर वह घृणा, क्रोध, विरोध आदि संवेग दिखलाता है।

→ पूर्वाग्रह पूर्ण रूप से किसी समूह की ओर संचालित होती है — पूर्वाग्रह किसी समाज या संस्कृति के एक मानक के रूप में दिखलायी पड़ती है। जैसे— जातीय पूर्वाग्रह से ग्रसित उच्च जाति के लोग एक हरिजन के प्रति इसलिए घृणा दिखलाते हैं कि वह एक खास समूह से संबंध रखता है। चाहे उसकी व्यक्तिगत गुण कितनी भी श्रेष्ठ क्यों न हो।

→ पूर्वाग्रह दृढ़ तथा स्थिर सामान्यीकरण पर आधारित होता है — पूर्वाग्रह से ग्रसित व्यक्ति के सामने उसके विश्वास

Scanned with CamScanner

एवं विचार के विरोधी विचार एवं तर्कों से अवगत कराने पर भी वह अपनी पूर्वधारणा में परिवर्तन के लिए तैयार नहीं होता है। क्योंकि पूर्वाग्रह का संबंध उसके दृढ़ एवं स्थिर विचारों, अंधविश्वासों एवं सामाजिक रीति-रिवाजों से होता है, न कि तर्क, विवेक एवं बुद्धि से।

→ पूर्वाग्रह का स्वरूप भावात्मक होता है — पूर्वाग्रह को भावरूप में या व्यवहारात्मक ढंग से अभिव्यक्त करने पर व्यक्ति को संतुष्टि मिलती है। जैसे — पूर्वाग्रह किसी व्यक्ति या समूह के प्रति विरोध को उचित ठहराने में संतुष्टि प्रदान करता है। इससे व्यक्ति को आत्मसम्मान एवं प्रतिष्ठा के भाव को मजबूत करने में मदद मिलती है। तथा कुण्ठा एवं आक्रमणकारी व्यवहारों को विरोधपूर्ण कार्यों द्वारा अभिव्यक्त करने का मौका मिलता है।

→ पूर्वाग्रह का संबंध वास्तविकता से नहीं होता है — पूर्वाग्रह अनुकूल हो या प्रतिकूल, इसका संबंध वास्तविकता से नहीं होता है। यह सुनी सुनाई बातों, विश्वासों एवं रीति-रिवाजों पर आधारित होती है। जैसे - छुआ-छूत के पूर्वाग्रह से ग्रसित लोग यह मानते हैं कि निम्न जाति के लोगों का छुआ खाना या पानी से धर्म भ्रष्ट हो जाता है, परंतु वे इसका कोई तर्क संगत आधार नहीं बता पाते हैं।

उपर्युक्त विशेषताओं से स्पष्ट होता है कि पूर्वाग्रह अर्जित होती है। इसका संबंध वास्तविकता से नहीं होता है। ये तर्क, तथ्य एवं वैज्ञानिकता का महत्व नहीं देते हैं तथा पूर्वाग्रह का सामाजिक दुष्प्रभाव अधिक होता है।

Scanned with CamScanner